14 (HIN–4) 4·5 (N)

2019

HINDI

Paper : 4·5

(Hindī Krishna Kāvya)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) इहिं अंतर मधुकर इक आयौ।
निज स्वभाव अनुसार निकट है, सुंदर शब्द सुनायौ॥
पूछन लागीं ताहि गोपिका, कुबिजा तोहीं पठायौ।
कौधौं सूर स्याम सुंदर कौं, हमैं सँदेसौं लायौ॥

(ख) सुनौ गोपी हरि कौ संदेस।
करि समाधि अंतरगति ध्यावहु, यह उनकौ उपदेस।
वै अविगत अविनासी पूरन, सब-घट रहै समाई।
तत्त्व ग्यान बिनु मुक्ति नहिँ है, वेद पुराननि गाई॥

Contd.

(ग) म्हारो गोकुल रो ब्रजवासी।
ब्रजलीला लख जण सुख पावाँ, ब्रजवणताँ सुख
णाच्याँ गावाँ ताल बजावाँ, पावाँ आणंद हाँसी।
णन्द जसोदा पुन्न री, प्रगटवाँ प्रभु अविनासी॥

(घ) सुनि सुनि ऊधव की अकह कहानी कान,
कोऊ थहरानी, कोऊ थानहिँ थिरानी हैँ।
कहै रतनाकर रिसानी, बररानी कोऊ,
कोऊ बिलखानी, बिकलानी बिथकानी हैँ॥

2. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×12

(क) सूरदास के विरह-वर्णन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) कृष्णभक्ति काव्य-परम्परा में सूरदास का स्थान निर्धा
कीजिए।

(ग) मीरा की भक्ति संबंधी विशेषताएँ लिखिए।

(घ) उद्धव के प्रति गोपियों का क्या वचन रहा है? 'गो
वचन उद्धव-प्रति' के आधार पर सोदाहरण जवाब दीजि

(ङ) मीरा-काव्य की कलापक्षीय विशेषताओं का आक
कीजिए।

3. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(क) 'सूरसागर' की लोकप्रियता के *तीन* कारण लिखिए।

(ख) 'यह पाती लै जाहु मधुपुरी' — का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बस्याँ म्हारे णेणणमाँ नंदलाल।' — नंदलाल के किस रूप को मीरा अपनी आँखों में बसाना चाहती है?

(घ) 'मीरा पदावली' की *तीन* विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) 'उद्धव-शतक' और 'सूरसागर' के कृष्ण में क्या अंतर पाए जाते हैं? *तीन* अंतर लिखिए।